Panjab Kesari 28 june 2012

मामला निडाना गांव की कीट विशेषज्ञ महिलाओं का

कीटों संग खेलते बन गई मास्टरनी

- **एक नजर में करती हैं शाकाहारी व मांसाहारी कीटों की पहचान**
- **अब दूसरी महिलाओं को बांट रहीं कीटों बारे ज्ञान**

जींद, 27 जून (पंकेस): वे खुद स्कूल में ज्यादा नहीं पढ़ी मगर अब दूसरी महिलाओं को किसी मास्टरनी से बेहतर अंदाज में पढ़ा रही हैं। पढ़ाई भी किताबी नहीं बल्कि सीधी व्यावहारिक है।

वे कीटों संग खेलते इनकी मास्टरनी बनी हैं। यहां जिक्र हो रहा है जींद जिले के निडाना गांव की उन महिलाओं का जो पहली नजर में कपास और दूसरी फसलों में शाकाहारी एवं मांसाहारी कीटों को पहचान लेती हैं। ये महिलाएं हैं मीना मलिक, अंग्रेजो, बिमला, राजवंती और कमलेश। इन्होंने पहले अपने खेतों में कपास की फसल में होने वाले मांसाहारी और शाकाहारी कीटों की खुद पहचान की। इसमें इन महिलाओं ने यह पता लगाया कि कपास की फसल पर कौन से शाकाहारी कीट पनपते हैं और इनको कौन से मांसाहारी कीट चट कर जाते हैं।

यह देखते और जानते हुए इन महिलाओं ने यह पता लगा लिया कि कपास की फसल में शाकाहारी और मांसाहारी कीटों का एक ऐसा प्राकृतिक संतुलन है जिसमें फसल को नुक्सान पहुंचाने वाले शाकाहारी कीटों को मारने के लिए किसी तरह के कीटनाशक स्प्रे की कोई जरूरत नहीं है।

यह काम खुद कपास की फसल के पत्तों पर मौजूद मांसाहारी कीट कर देते हैं। निडाना की इन महिलाओं ने पिछले 4 साल में कीटों के बारे में ऐसी महारथ हासिल कर ली है कि अब वह दूसरों को इनके बारे में पढ़ाने का काम कर रही हैं।

ललितखेड़ा की महिला खेत पाठशाला में बनी मास्टरनी

निडाना गांव की मीना मलिक, कमलेश, अंग्रेजो, बिमला, राजवंती अब पड़ोस के गांव ललितखेड़ा की महिला खेत पाठशाला में ललितखेड़ा की महिलाओं के लिए कीटों का ज्ञान देने बारे खुद मास्टरनी बनी हुई हैं।

हर बुधवार को निडाना की ये महिलाएं मास्टर ट्रेनर के रूप में ललितखेड़ा की महिला खेत पाठशाला में महिलाओं को पढ़ा रही हैं।

कीटों बारे ज्ञान महिलाओं में बांट रही हैं। बुधवार को ललितखेड़ा गांव की पूनम के खेत में महिला खेत पाठशाला लगी। इसमें ललितखेड़ा की पूनम, मनीषा, सुमन, पूनम, शीला, संतोष, सविता, यशवंती और नारो शर्मा जैसी 30 महिलाओं को निडाना की इन 5 महिलाओं ने कपास की फसल में पाए जाने वाले मांसाहारी और शाकाहारी कीटों की पहचान से लेकर यह बताया कि कौन-सा मांसाहारी कीट कौन से शाकाहारी कीट को अपना आहार बनाकर किसान का काम कर रहा है।

इन महिलाओं ने बताया कि कपास की फसल में इन कीटों का ऐसा प्राकृतिक संतुलन बना हुआ है कि कपास की फसल को कीड़ों से बचाने के लिए किसी कीटनाशक के स्प्रे की कोई जरूरत नहीं है।

ललितखेड़ा की महिला खेत पाठशाला में खाप प्रतिनिधि का स्वागत करता हथजोड़ा कीट व बुधवार को ललितखेड़ा गांव की महिला खेत पाठशाला में कीटों बारे जानकारी देती मास्टरनी और यहां मौजूद गांव की महिलाएं। (तुलीप)

खाप पंचायत प्रतिनिधि भी पहुंचे महिला खेत पाठशाला में

» महिला खेत पाठशाला में सर्व जातीय सर्व खाप पंचायत के प्रदेश संयोजक कुलदीप ढांडा भी पहुंचे। उन्होंने खुद कपास की फसल में शाकाहारी और मांसाहारी कीटों बारे जानकारी निडाना की मास्टरनी बनी कीट विशेषज्ञ महिलाओं से ली। ढांडा ने कहा कि वह इस बात को देखकर हैरान रह गए कि कपास की फसल में मांसाहारी कीट खुद शाकाहारी कीटों को चट कर किसान का फायदा कर रहे हैं। फसल को नुक्सान पहुंचाने वाले कीटों को मारने के लिए किसी स्प्रे की जरूरत ही नहीं है।

हथजोड़ा कीट ने किया खाप पंचायत प्रतिनिधि का स्वागत

» बुधवार को ललितखेड़ा गांव की महिला खेत पाठशाला में पहुंचे सर्व जातीय सर्व खाप पंचायत के संयोजक कुलदीप ढांडा के सामने एक किसान ने कपास की फसल में पाया जाने वाला ऐसा कीट पेश किया जो हाथ जोड़े खड़ा था। इसे किसान अपनी भाषा में हथजोड़ा कीड़ा कहते हैं। यह कीट इस तरह हाथ जोड़े खड़ा था मानो गुहार लगा रहा हो कि उसे मत मारो। यह संदेश कुलदीप ढांडा ने खुद ग्रहण किया और माना कि किसान को कपास की फसल में अंधाधुंध कीटनाशक का स्प्रे नहीं करना चाहिए। इसमें लाखों बेगुनाह बिना किसी कारण के मारे जाते हैं।

बुधवार को ललितखेड़ा की महिला खेत पाठशाला में कीटों बारे जानकारी लेते खाप प्रतिनिधि कुलदीप ढांडा व महिला खेत पाठशाला में कपास की फसल में पाए जाने वाले कीट दिखाते विशेषज्ञ। (तुलीप)